# Guru Purnima Speech in Hindi 300 Words

**आदरणीय सभी उपस्थित व्यक्तियों को मेरा सादर नमस्कार।**

आज मैं यहां गुरु पूर्णिमा के अवसर पर आपके सामने कुछ शब्दों का समारोह करने का सौभाग्य महसूस कर रहा हूँ। गुरु पूर्णिमा हिंदू धर्म में एक महत्वपूर्ण पर्व है, जिसे हम सभी बड़े धार्मिक भाव से मानते हैं। यह एक पर्व है जो गुरुओं के सम्मान में समर्पित है और शिक्षायें देने वाले गुरुओं को सलामी देने का अवसर प्रदान करता है।

गुरु का महत्व शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता। गुरु हमारे जीवन में रोशनी की तरह उजाला भरते हैं जो हमें अंधकार से बाहर निकलकर सही राह दिखाते हैं। गुरु के बिना ज्ञान की प्राप्ति संभव नहीं होती। हमारे गुरु ही वे प्रेरक होते हैं जो हमें सफलता की ऊंचाइयों तक पहुंचाते हैं।

गुरु पूर्णिमा का पर्व भारतीय संस्कृति में विशेष महत्व रखता है। इस दिन हम अपने गुरुओं को विशेष सम्मान देते हैं और उन्हें धन्यवाद देते हैं जो हमें अपने जीवन की दिशा में मार्गदर्शन करते हैं। इस दिन को समर्पित करके हम भगवान् विष्णु के अवतार परम पूज्य श्री वेद व्यास जी को भी स्मरण करते हैं, जो अपने महानता से समस्त विश्व को ज्ञान की धारा प्रदान करते हैं।

गुरु पूर्णिमा के अवसर पर, हम अपने गुरुओं के आशीर्वाद को प्राप्त करने का संकल्प लेते हैं। हमें यह याद रखना चाहिए कि गुरु शिष्य के जीवन में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और हमें अपने गुरुओं के प्रति सम्मान और आभार रखना चाहिए।

इस अवसर पर, मैं अपने सभी गुरुओं का आभारी हूँ जिन्होंने मेरे जीवन को प्रभावित किया और मुझे सही मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया। मैं भगवान् से प्रार्थना करता हूँ कि हमें सभी गुरुओं के आदर्शों का पालन करने की शक्ति मिले और हम अपने जीवन में सफलता की ऊंचाइयों तक पहुंच सकें।

**धन्यवाद**!